सोमवार , 09 नवंबर 2026, ठाणे, मुंबई

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई

सच का जोश

वर्ष - 15 • अंक - 74

CITY NEWS MUMBAI

बॉम्बे HC का सख्त आदेश: दिवाली पर सिर्फ ग्रीन पटाखे जलेंगे

मुंबई पुलिस के सामने नियम लागू कराने की चुनौती!

मुंबई में दिवाली पर करीब 145 टन पटाखे जलाए जाते हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों पर आतिशबाजी पर रोक और ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल पर जोर दिया। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पटाखों से होने वाले वायु और ध्वनि प्रदूषण पर सख्ती दिखाई। मुंबईकर दिवाली के दौरान करीब 145 टन पटाखे जलाते हैं। इससे हवा में 6 टन से अधिक महीन प्रदूषक कण घुलने का दावा। सार्वजनिक सड़कों, गलियों, फुटपाथों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पटाखे फोड़ने पर रोक। आवाज फाउंडेशन ने पटाखों के पैकेट पर दर्ज जानकारी और केमिकल की वास्तविक जांच में अंतर का मुद्दा उठाया। दिवाली पर पटाखों से होने वाले प्रदूषण को देखते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने सख्त निर्देश दिए हैं। मुंबई में हर साल करीब 145 टन पटाखे जलाए जाते हैं, जिनसे हवा में 6 टन से अधिक महीन कण घुलने का दावा है। कोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे फोड़ने पर रोक लगाई है। वहीं, आवाज फाउंडेशन ने पटाखों के पैकेट पर दर्ज केमिकल और क्यूआर कोड की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। हाईकोर्ट ने पटाखों पर दिखाई सख्ती मुंबई, दिवाली पर पटाखों से होने वाले वायु और ध्वनि



प्रदूषण को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि दिवाली के दौरान पटाखे फोड़ने के लिए निश्चित समय तय करने और सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर विचार किया जाए। कोर्ट ने ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल और प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का पालन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया है। 145 टन पटाखों से बढ़ता प्रदूषण आंकड़ों के अनुसार, दिवाली के दौरान मुंबईकर करीब 145 टन पटाखे जलाते हैं। इससे हवा में 6 टन से अधिक महीन प्रदूषक कण घुलने का दावा किया गया है। इसमें प्रतिबंधित पटाखों से होने वाला प्रदूषण भी शामिल है। हर साल दिवाली से पहले ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल और आतिशबाजी के समय को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका पालन कराना चुनौती बना रहता है। सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे फोड़ने पर रोक हाईकोर्ट ने पूरे साल सार्वजनिक सड़कों, गलियों, फुटपाथों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध लगाया है। इसके बाद मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे फोड़ने के साथ लेजर लाइट और तेज रोशनी के इस्तेमाल पर भी रोक लगाई है। बिना वैध लाइसेंस के सार्वजनिक स्थानों पर पटाखों की बिक्री, भंडारण और प्रदर्शन पर भी पाबंदी लगाई गई है। पुलिस के सामने अब इन निर्देशों का सख्ती से पालन कराने की चुनौती है। निर्माण और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पटाखों के निर्माण या बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया गया है।

महायुति में फिर हुआ महाभारत! शिंदे गुट का BJP पर दबाने का आरोप, फ़ाइलें रोकने और फंड काटने की शिंदे से शिकायत

महाराष्ट्र की महायुति सरकार में फिर मतभेद सामने आए। शिंदे गुट ने बीजेपी पर मंत्रियों के अधिकार कम करने, फाइलें रोकने और फंड आवंटन में मुश्किलें पैदा करने का आरोप लगाया। शिंदे गुट के नेताओं ने बीजेपी पर पार्टी को दबाने का आरोप लगाया है। नेताओं ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सामने अपनी नाराजगी रखी। कुछ फाइलें मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास लंबित होने का दावा। वित्त विभाग बीजेपी के पास आने के बाद फंड मिलने में दिक्कत का आरोप। दादा भुसे समेत शिंदे गुट के मंत्रियों



के अधिकार कम किए जाने की शिकायत। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में बीजेपी और एकनाथ शिंदे गुट के बीच फिर अंदरूनी मतभेद सामने आए हैं। शिंदे सेना के नेताओं ने बीजेपी पर पार्टी को दबाने, मंत्रियों के अधिकार कम करने और फंड आवंटन में मुश्किलें पैदा करने का आरोप लगाया है। नेताओं ने इन मुद्दों पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से शिकायत की है। महायुति में फिर बढ़ी खींचतान मुंबई, महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ महायुति में बीजेपी और शिवसेना के शिंदे गुट के बीच एक बार फिर अंदरूनी खींचतान सामने आई है। विधान परिषद चुनाव के दौरान तनातनी और मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटिल के कथित 500 करोड़ रुपये वाले ऑडियो विवाद के बाद दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हुआ है।

किसान हैं तभी हम हैं, सुगी ग्रुप ने महाराष्ट्र के किसानों के लिए घोषित की 2.15 करोड़ की सहायता



सुगी ग्रुप ने महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त किसानों के लिए 2.15 करोड़ रुपये की सहायता घोषित की। दादर की दिवाली पहाट में 10 हजार से अधिक संगीत प्रेमी शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन दादर के छत्रपति शिवाजी पार्क में हुआ। राहुल देशपांडे, संकर्षण क हाडे और प्राजक्ता शुक्रे ने प्रस्तुतियां दीं। अभि मुंडे ने विशेष काव्य पाठ किया। महाजप फाउंडेशन को 11 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

शरद पवार को अस्पताल से मिली छुट्टी, डॉक्टर बोले- हालत स्थिर, घर पर जारी रहेगा इलाज



सीने में संक्रमण और ब्रोंकाइटिस के इलाज के बाद शरद पवार को ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी मिल गई। डॉक्टरों ने घर पर आराम और दवाएं जारी रखने की सलाह दी है। डॉ. प्रतीत समदानी ने शरद पवार की हालत स्थिर बताई। सुप्रिया सुले ने डॉक्टरों, नर्सों और अस्पताल कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। शरद पवार अब सिल्वर ओक स्थित आवास पर रहेंगे। उम्र को देखते हुए डॉक्टरों ने अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार की सेहत में सुधार के बाद उन्हें शनिवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

किसान परिवार के घर CM देवेंद्र फडणवीस ने मनाया भाऊबीज, अरुणाताई ने बोली- अगली दिवाली पत्नी को भी साथ लाइए

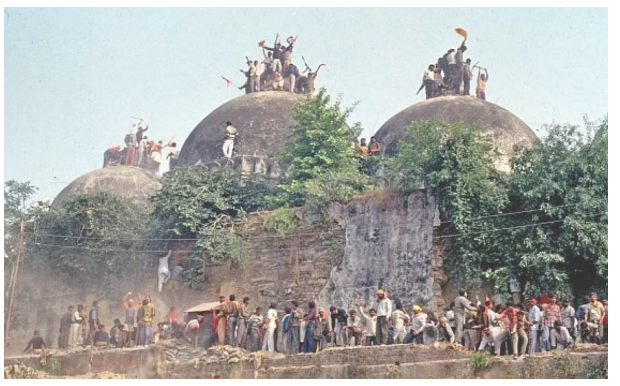
CM देवेंद्र फडणवीस ने नरखेड़ के लोहारी सावंगा गांव में किसान रामभाऊ बालपांडे के परिवार के साथ दिवाली मनाई और उनकी समस्याएं सुनकर मदद का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने नरखेड़ तालुका के लोहारी सावंगा गांव में रात बिताई। अरुणाताई बालपांडे ने तिलक लगाकर उनकी भाऊबीज मनाई। सुबह मुख्यमंत्री ने परिवार के हाथों बना तर्री पोहा खाया। सू सात महीने की नारायणी की पहली दिवाली मुख्यमंत्री के साथ मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्हें पोहा काफी पसंद है और सप्ताह में कम से कम चार दिन नाश्ते में पोहा खाते हैं। रात में ठंड के कारण परिवार ने घर के परिसर में अलाव जलाया था। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार ने



उन्हें अलाव के बारे में बताया नहीं, वरना वह भी लंबे समय बाद इसका आनंद लेते। रामभाऊ बालपांडे और उनकी पत्नी अरुणाताई ने मुख्यमंत्री का परिवार के सदस्य की तरह स्वागत किया। उनके बेटे प्रवीण और अजय तथा बहुरानी स्वाति ने अपने हाथों से भोजन तैयार किया। परिवार की सात महीने की नातिन नारायणी की यह पहली दिवाली थी, जो मुख्यमंत्री के साथ मनाई गई। उसके पिता प्रवीण ने खुशी जताते हुए कहा कि जब नारायणी बड़ी होगी तो उसे मुख्यमंत्री के साथ दिवाली मनाने की तस्वीरें दिखाएंगे। किसान परिवार के यहां किया स्नान मुख्यमंत्री ने सुबह किसान परिवार के घर पर ही दिवाली त्योहार के अवसर पर अभ्यंग स्नान किया। इसके बाद अरुणाताई और परिवार की अन्य महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से उनका औक्षण किया। भाऊबीज के मौके पर अरुणाताई ने तिलक लगाकर उनकी आरती उतारी। मुख्यमंत्री ने भी बहन को उपहार देकर भाई-बहन के इस पर्व की रस्म निभाई। खे की मार झेल रहे किसानों को हौसला और आत्मविश्वास देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बार दिवाली एक किसान परिवार के साथ मनाई। उन्होंने नरखेड़ तालुका के लोहारी सावंगा गांव में किसान रामभाऊ बालपांडे के घर रात बिताई। सुबह उठकर घर की महिलाओं के हाथों से बना तर्री पोहा नाश्ते में खाया और परिवार के साथ दिवाली की खुशियां साझा कीं।

बाबरी मस्जिद को टूटते देख सोनिया गांधी क्यों रोने लगी? मात्र 1 प्वॉइंट में जानें

सोनिया गांधी ने बताया कि बाबरी मस्जिद विध्वंस की तस्वीरें देखकर वह रो पड़ी थीं। उन्होंने कहा कि तभी धर्मनिरपेक्ष भारत के लिए लंबी लड़ाई लड़ने का एहसास हुआ। बाबरी मस्जिद विध्वंस की तस्वीरें देखकर भावुक हो गई थीं सोनिया गांधी। सोनिया ने कहा, धर्मनिरपेक्ष भारत के लिए लंबी लड़ाई लड़नी होगी। बीजेपी की हिंदुत्व राजनीति के उभार में कांग्रेस की गलतियों को भी माना जिम्मेदार।c कां इमरजेंसी के लिए सिर्फ संजय गांधी जिम्मेदार नहीं थे सोनिया गांधी ने 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के लिए केवल संजय गांधी को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर उनके कुछ वरिष्ठ सहयोगियों का भी काफी दबाव था। सोनिया के मुताबिक, परिवार के भीतर भी आपातकाल लगाने के फैसले पर सहमति नहीं थी। राजीव गांधी इस फैसले के खिलाफ थे। उन्होंने अपनी मां को अगला चुनाव आने तक इंतजार करने की सलाह दी थी। वहीं, संजय गांधी आपातकाल लगाने के पक्ष में थे। एक पारिवारिक डिनर के दौरान उन्होंने कहा था कि विपक्ष उनकी मां को बर्बाद कर देगा। 'द गार्जियन' के मुताबिक,



सोनिया गांधी ने अपनी किताब में लिखा है कि अगर संजय गांधी को नियंत्रण में रखा गया होता, तो बाद में हुए नुकसान का बड़ा हिस्सा रोका जा सकता था। सोनिया ने यह भी कहा कि आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक अधिकारों पर रोक लगाई गई और बिना मुकदमे हिरासत में रखने के खिलाफ मिलने वाला कानूनी संरक्षण भी समाप्त कर दिया गया था। हालांकि, इंदिरा गांधी ने बाद में हालात को समझा और मार्च 1977 में चुनाव कराने का फैसला किया। सोनिया के मुताबिक, इंदिरा ने आपातकाल के दौरान हुई ज्यादतियों पर सार्वजनिक रूप से दुख जताया और माफी भी मांगी थी। ग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बाबरी मस्जिद विध्वंस, देश में लगे आपातकाल और इंदिरा गांधी व राजीव गांधी की हत्या से जुड़े कई अहम खुलासे किए हैं। उन्होंने कहा कि 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद गिराए जाने की तस्वीरें जब उन्होंने टेलीविजन पर देखीं, तो वह रो पड़ी थीं। उसी समय उन्हें एहसास हो गया था कि अब उन्हें उस धर्मनिरपेक्ष भारत के लिए लंबी लड़ाई लड़नी होगी, जिसकी कल्पना महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू ने की थी। सोनिया गांधी ने ये बातें अपनी आने वाली किताब 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' के लॉन्च से पहले अंग्रेजी अखबार 'द हिंदू' और 'द गार्जियन' को दिए इंटरव्यू में कहीं। उन्होंने इस दौरान भारतीय राजनीति के तीन महत्वपूर्ण दौरों और उनसे जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया।

सोनिया ने यह भी स्वीकार किया कि बीजेपी और उसकी कट्टर हिंदुत्व की राजनीति के उभार में कांग्रेस की गलतियों का भी योगदान रहा है।

BJP नेता लालकृष्ण आडवाणी के बेटे कौन हैं? वे राजनीति में क्यों नहीं आए

लालकृष्ण आडवाणी 99 साल पूरे कर 100वें वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं। इस मौके पर उनके बेटे ने हवन किया और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। लालकृष्ण आडवाणी ने 99 साल पूरे कर जीवन के 100वें वर्ष में प्रवेश किया। बेटे ने हवन कर पिता की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। जानिए कौन हैं उनके बेटे और क्यों राजनीति से दूर रहे। पूर्व उप प्रधानमंत्री और भारत रत्न से सम्मानित लालकृष्ण आडवाणी 99 साल पूरे कर अपने जीवन के 100वें वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं। इस अवसर पर उनके आवास पर हवन और पूजा-पाठ का आयोजन किया गया। इसमें बीजेपी के कई नेता और पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। आडवाणी के बेटे



जयंत आडवाणी ने इस मौके पर सभी लोगों का आभार जताया और पिता के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। जयंत आडवाणी ने कहा, "मुझे बहुत खुशी है कि आडवाणी जी ने 99 साल पूरे कर लिए हैं और आज वे अपने 100वें साल में प्रवेश कर रहे हैं। यहां आए सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं का मैं दिल से धन्यवाद करता हूं। हमने उनके लिए हवन किया और प्रार्थना की। ईश्वर से कामना है कि उनके जीवन का आगे का समय अच्छे स्वास्थ्य के साथ बीते।" कौन हैं जयंत आडवाणी? जयंत आडवाणी बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के बेटे हैं। वह आडवाणी और उनकी दिवंगत पत्नी कमला आडवाणी के पुत्र हैं। उनकी एक बहन प्रतिभा आडवाणी हैं। जयंत पेशे से कारोबारी हैं और अपने पिता की तरह सक्रिय राजनीति में नहीं रहे हैं। माना जाता है कि लालकृष्ण आडवाणी परिवारवाद के आरोपों से बचना चाहते थे। इसी वजह से उन्होंने अपने बेटे को चुनावी राजनीति में आगे नहीं बढ़ाया। हालांकि, जयंत ने एक इंटरव्यू में राजनीति में आने की इच्छा जाहिर की थी। वह कई मौकों पर अपने पिता के साथ सार्वजनिक कार्यक्रमों और चुनाव प्रचार में दिखाई दिए हैं। उन्होंने गुजरात के गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में आडवाणी के लिए घर-घर जाकर प्रचार भी किया था। कराची में हुआ था लालकृष्ण आडवाणी का जन्म लालकृष्ण आडवाणी का जन्म 8 नवंबर 1927 को अविभाजित भारत के कराची में हुआ था।

दिवाली की सुबह जम्मू से जापान तक कांपी धरती! जापान में 5.7 और कश्मीर के बारामूला में 3.3 तीव्रता का भूकंप



जापान के मध्य हिस्से में रविवार सुबह तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के कारण दुकानों के शीशे टूट गए। तो वहीं कश्मीर के बारामूला में 3.3 तीव्रता के भूकंप आए। मध्य जापान में 5.7 तीव्रता के भूकंप से 22 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। सबसे तेज झटके आइची प्रान्त के चिता इलाके में महसूस किए गए। जम्मू के बारामूला में भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए दिवाली की सुबह जापान में भूकंप ने लोगों की नींद उड़ा दी। मध्य जापान में रविवार तड़के 5.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप महसूस किया गया। सबसे तेज झटके आइची प्रान्त के चिता इलाके में महसूस किए गए। जापान मौसम एजेंसी के अनुसार, भूकंप शिजुओका प्रान्त के पश्चिमी हिस्से में करीब 40 किलोमीटर गहराई पर आया। इससे कम से कम 22 लोग घायल हो गए। कई लोग गिरने या सिर टकराने से चोटिल हुए। दुकानों और कारोबारों में सामान अलमारियों से नीचे गिर गया, शीशे टूटे और कुछ इमारतों को नुकसान पहुंचा।

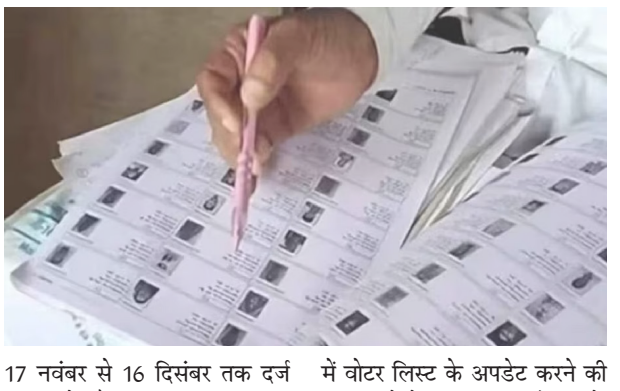
दिवाली पर कैसा रहेगा आपके इलाके का मौसम, जानें पूर्वी भारत से दक्षिणी भारत तक का Weather Update



दिवाली पर कई राज्यों में बारिश होने की संभावना है। मुख्य रूप से दक्षिण और पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने बारिश को लेकर जारी किया अलर्ट दक्षिण और पूर्वी भारत में बारिश होने की संभावना तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल आदि में बारिश होगी बिहार-झारखंड और बंगाल में भी बारिश का अलर्ट दिवाली पर मौसम कैसा रहेगा, इस बात की जानकारी मौसम विभाग ने पोस्ट के माध्यम से जारी की है। मौसम विभाग ने कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। आज 8 नवंबर को दक्षिण भारत के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। ऐसे में तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 7 से 10 नवंबर के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। वहीं दक्षिण भारत के केरल और माहे में 7 और 8 नवंबर को तेज बारिश हो सकती है. इस दौरान कई इलाकों में गरज-चमक के साथ 30 से 40 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है।

SSR-2027 के तहत यूपी में वोटर लिस्ट अपडेट करने का कार्यक्रम बदला, 17 नवंबर को जारी होगी प्रारूप सूची

विपक्षी SIR-SSR को लेकर विरोध कर रहा है। चुनाव आयोग के सामने इस प्रक्रिया को विवादरहित तरीके से पूरा कराने की चुनौती है। यूपी में मतदाता सूची अपडेट का कार्यक्रम बदला है। SIR और SSR को लेकर छिड़ा सियासी घमासान SIR और SSR को लेकर विपक्षी दल विरोध जता रहे हैं। देशभर में इन प्रक्रियाओं पर सवाल उठाए जा रहे हैं। 1 नवंबर को INDIA गठबंधन के नेताओं ने विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली की और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। ऐसे में प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले बिना किसी विवाद और आशंका के पूरी कराना चुनाव आयोग के लिए बड़ी चुनौती है। 17 नवंबर को जारी होगी एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची



17 नवंबर से 16 दिसंबर तक दर्ज होंगी दावे और आपत्तियां 28 दिसंबर तक दावे और आपत्तियों का होगा निस्तारण 4 जनवरी 2027 को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची एक ओर जहां SIR और SSR को लेकर विपक्षी दल विरोध जता रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (SSR)-2027 के तहत उत्तर प्रदेश में वोटर लिस्ट के अपडेट करने की तारीखों में फेरबदल किया है। इसके अंतर्गत एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची जारी करने की तारीख 17 नवंबर तय की गई। इस तारीख से दावे और आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू होगी जो कि 16 दिसंबर तक चलेगी। निर्वाचन आयोग ने जारी किया संशोधित कार्यक्रम छह नवंबर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की तरफ से पत्र जारी कर यह जानकारी दी गई। बदले हुए कार्यक्रमों के अनुसार मतदान केंद्रों के युक्तिकरण/पुनर्व्यवस्था की प्रक्रिया दो नवंबर तक संपन्न होनी थी जिसमें कोई संशोधन नहीं हुआ है। एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 17 नवंबर को होगा। साथ ही मतदाताओं से दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी जिसके निस्तारण की अंतिम तारीख 28 दिसंबर तय की गई है। पूरी प्रक्रिया के बाद चार जनवरी 2027 को अंतिम सूची जारी होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने सभी संबंधित अधिकारियों को संशोधित कार्यक्रम से अवगत कराने और इसका व्यापक प्रचार करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही राजनीतिक दलों को भी नए कार्यक्रम की लिखित सूचना उपलब्ध कराने को कहा गया है।

अब चीन पर निर्भरता खत्म! भारत में बनेंगे शिपिंग कंटेनर, मोदी सरकार ने खोला 10 हजार करोड़ का खजाना

शिपिंग कंटेनरों की जरूरत पूरी करने के लिए विदेशी बाजारों पर निर्भर रहने वाले भारत की तस्वीर बदलने की तैयारी है। इसके लिए सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट खोल दिया है।

कंटेनर निर्माण क्षमता 10 गुना बढ़ाने का लक्ष्य योजना से 53 हजार से अधिक रोजगार के अवसर 10 हजार करोड़ की कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग योजना को मंजूरी समुद्र के रास्ते दुनिया के अलग-अलग देशों तक पहुंचने वाला भारत का कारोबार अब एक नई करवट लेने जा रहा है। अब तक शिपिंग कंटेनरों की जरूरत पूरी करने के लिए विदेशी बाजारों पर निर्भर रहने वाले भारत की तस्वीर बदलने की तैयारी है। केंद्र सरकार ने ऐसा दांव चला है, जिससे आने वाले वर्षों में भारत खुद विश्वस्तरीय शिपिंग कंटेनरों का बड़ा निर्माता और निर्यातक बन सकता है। इसके लिए सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट खोल दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग प्रमोशन स्कीम को मंजूरी दे दी है। यह योजना वित्त वर्ष 2039-40 तक



लागू रहेगी। इसका मकसद सिर्फ देश में कंटेनर बनाना नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक कंटेनर निर्माण के नक्शे पर मजबूत पहचान दिलाना है। 10 हजार करोड़ का प्लान, तीन मोर्चों पर काम नरेंद्र मोदी सरकार ने इस योजना को तीन हिस्सों में बांटा है। पहला, 859 करोड़ रुपये ब्याज सब्सिडी के लिए रखे गए हैं। इसके तहत नई फैक्ट्रियां लगाने और मौजूदा इकाइयों का विस्तार करने के लिए पात्र टर्म लोन पर सालाना 3 प्रतिशत ब्याज सहायता मिलेगी। दूसरा, 8,891 करोड़ रुपये परिचालन खर्च में सहायता के लिए निर्धारित किए गए हैं। इसके जरिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बने और पात्र निर्माताओं द्वारा बेचे गए कंटेनरों को वित्तीय सहायता मिलेगी। इससे भारतीय कंपनियों की उत्पादन लागत का अंतर कम होगा और वे विदेशी कंपनियों को टक्कर देने की स्थिति में आ सकेंगी। तीसरा, 150 करोड़ रुपये टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन सुविधाओं के विकास पर खर्च होंगे। इसमें डायनामिक लॉन्गिट्यूडिनल इम्पैक्ट टेस्टिंग जैसी आधुनिक परीक्षण सुविधाएं स्थापित की जाएंगी। 10 गुना बढ़ेगी उत्पादन क्षमता, 7.5 लाख TEU का लक्ष्य इस योजना का सबसे बड़ा लक्ष्य भारत की कंटेनर निर्माण क्षमता को लगभग 10 गुना बढ़ाकर 7.5 लाख TEU तक पहुंचाना है। TEU यानी ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट, कंटेनर क्षमता मापने की अंतरराष्ट्रीय इकाई है। इससे भारत में घरेलू मांग पूरी करने के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में कंटेनर निर्यात की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

आज लालकृष्ण आडवाणी का 99वां जन्मदिन, राजनाथ सिंह, अमित शाह समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

आज लालकृष्ण आडवाणी का 99वां जन्मदिन मनाया जा रहा है। इस दौरान पीएम मोदी समेत राजनाथ सिंह, अमित शाह और समाम नेताओं ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। आज लालकृष्ण आडवाणी का 99वां जन्मदिन PM मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी को दी जन्मदिन की बधाई राजनाथ सिंह, अमित शाह समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी आज 8 नवंबर को 99 वर्ष के हो गए हैं। जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनको शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने आर्टिकल के माध्यम से उनके योगदान को हाईलाइट किया है। पीएम मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि 'आज, 8 नवंबर, एक अहम दिन है। एल.के. आडवाणी 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। इस खास मौके पर, उन्हें मेरी शुभकामनाएं। मैंने



एक आर्टिकल लिखा है, जिसमें मैंने भारत के लिए उनके हमेशा याद रहने वाले योगदान को हाइलाइट किया है।' पीएम ने आगे लिखा कि मैंने उनके सफर को याद किया है, चाहे वे बंटवारे के डर का सामना करना हो और नए सिरे से जिंदगी बनाना हो, जनसंघ को मजबूत करना और भाजपा बनाना हो, इमरजेंसी के दौरान डेमोक्रेसी के लिए खड़े होना हो, सोमनाथ से अयोध्या तक रथ यात्रा को लीड करना हो या सरकार में देश की सेवा करना हो। आडवाणी के दूसरे पहलुओं के बारे में भी लिखा है कि वे बहुत अधिक पढ़ने वाले व्यक्ति, कल्चर और सिनेमा के लिए उनका प्यार, बहुत अधिक लिखने वाले व्यक्ति और भी बहुत कुछ। राजनाथ सिंह ने लालकृष्ण आडवाणी को दी जन्मदिन की बधाई रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लालकृष्ण आडवाणी को पोस्ट कर जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आडवाणी ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में शुचिता, समर्पण और नेतृत्व के नए प्रतिमान गढ़े हैं और उनके माध्यम से उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है। आगे उन्होंने कहा कि बीजेपी की स्थापना से लेकर उसे देश के कोने-कोने तक पहुंचाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही है। उन्होंने अपने कृतित्व और व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति को समृद्ध किया है। जनसेवा के प्रति समर्पित उनका जीवन और उनके आदर्श आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। मैं ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करता हूं। अमित शाह ने भी लालकृष्ण आडवाणी को दी बधाई गृह मंत्री अमित शाह ने लालकृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की बधाई देते हुए सोश मीडिया 'X' पर पोस्ट किया। कहा कि राष्ट्रसेवा के पर्याय, बीजेपी के शिल्पकार और सिद्धांतनिष्ठ राजनेता लालकृष्ण आडवाणी आज 99 वर्ष पूर्ण कर अपने जीवन के 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

दीपावली की पूर्व शाम दिल्ली की हवा पिछले 10 सालों में सबसे खराब! आतिशबाजी के बाद हालात और बिगड़ने के आसार



दिल्ली में त्योहार पर हवा खराब श्रेणी में पहुंच चुकी है। दिवाली की पूर्व संध्या में दिल्ली की हवा में पिछले 10 सालों में सबसे खराब स्थिति में पहुंच चुका है। दीवाली की पूर्व संध्या पर दिल्ली की हवा पिछले 10 सालों में सबसे खराब रही रविवार को दिल्ली में दिवाली की रात हालात और भी बिगड़ने के आसार हैं। शनिवार को पंजाब और हरियाणा में खेतों में आग लगने की घटनाएं सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंची पूरे देश में दिवाली की धूम है। लेकिन राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के मामले में फिर इतिहास रचा है। दीवाली की पूर्व संध्या पर दिल्ली की हवा पिछले 10 सालों में सबसे प्रदूषित रही। शनिवार को शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 369 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। यह 2016 के बाद दिवाली से एक दिन पहले का सबसे खराब आंकड़ा है, जब AQI 404 तक पहुंच गया था। दिल्ली के अलग-अलग इलाके में प्रदूषण शुक्रवार को AQI 382 था, जो शनिवार को थोड़ा सुधरकर 369 हो गया, लेकिन कई इलाकों में स्थिति बेहद गंभीर बनी रही।

आज PM मोदी जवानों संग मनाएंगे दिवाली, ये रहेगा कार्यक्रम का शेड्यूल



PM मोदी ने प्रार्थना की है कि दिवाली और आने वाले दिन सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आएं। उन्होंने ये भी घोषणा की है कि ये दिवाली वो जवानों संग मनाएंगे। PM मोदी ने दिवाली की बधाई दी LoC पर दिवाली मना सकते हैं PM मोदी पुंछ में उनका संभावित दौरे का अनुमान पीएम मोदी ने सोशल मीडिया 'X' पर सुबह-सुबह देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दी हैं। बता दें कि इस वक्त देशभर में दिवाली की धूम है। इसी क्रम में अयोध्या के 56 वघाटों पर 30 लाख दीये लगाकर जशअन मनाया गया। मौके पर 2100 ड्रोन शो से रामायण का भी मंचन हुआ। इस दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत कई मंत्री मौजूद थे। उधर, दिवाली की पूर्व संध्या पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जवानों के बीच पहुंचे। PM मोदी वर्षों से निभा रहे परंपरा देशभर में दिवाली मनाई जा रही है।

नेपाल के कुकुर तिहार से थाईलैंड के तैरते दीयों तक, 7 देशों में दिवाली के अनोखे अंदाज

दिवाली केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि नेपाल, थाईलैंड, इंडोनेशिया और अमेरिका जैसे कई देशों में यह त्योहार बेहद खास और अनोखे सांस्कृतिक तरीकों से धूमधाम से मनाया जाता है। विदेश के इन देशों में खास तरीके से मनायी जाती है दिवाली नेपाल में निभायी जाती है 5 दिनों तक अनोखी तिहार परंपरा थाईलैंड में बहते दीयों के साथ मनाते हैं ये त्योहार इंडोनेशिया की विश्व प्रसिद्ध भव्य रामलीला का होता है मंचन अमेरिका के व्हाइट हाउस में होने लगा है दीपोत्सव आज दिवाली का त्योहार मनाया जा रहा है। दिवाली यानी रोशनी का त्योहार अब सिर्फ भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं रह गया है। आज यह एक ऐसा ग्लोबल फेस्टिवल बन चुका है, जिसकी गूंज और चमक पूरी दुनिया



में दिखाई देती है। 'अंधेरे पर उजाले की जीत' का संदेश देने वाला यह पावन पर्व दुनिया के कोने-कोने में बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। जिन देशों में भारतीय मूल के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं, वहां तो इस दिन बाकायदा सरकारी छुट्टी होती है। हर देश में दिवाली को मनाने का अपना एक खास और अनोखा अंदाज है। नाम और तौर-तरीके भले ही बदल जाते हों, लेकिन हर जगह इसका मूल संदेश एक ही रहता है..आपसी प्रेम, शांति और भाईचारा। तो दिवाली 2026 के मौके पर आइए जानने की कोशिश करते हैं कि भारत के अलावा दुनिया के कौन-कौन से देशों में यह त्योहार किस अनोखे अंदाज के साथ मनाया जाता है। नेपाल का 'तिहार': जहां होती है वफादार कुत्तों की पूजा भारत के सबसे करीबी पड़ोसी देश नेपाल में दिवाली को 'तिहार' या 'स्वंती' के नाम से जाना जाता है। नेपाल में यह उत्सव पूरे 5 दिनों तक बेहद धूमधाम से चलता है। इस त्योहार की सबसे अनोखी बात इसका दूसरा दिन है, जिसे 'कुकुर तिहार' कहा जाता है। इस खास दिन पर इंसानों के सबसे सच्चे और वफादार साथी यानी कुत्तों की विशेष पूजा की जाती है। लोग कुत्तों को फूलों की सुंदर माला पहनाते हैं, उनके माथे पर लाल तिलक लगाते हैं और उन्हें उनका मनपसंद स्वादिष्ट भोजन खिलाते हैं। कहते हैं कि नेपाली मान्यता के अनुसार कुत्तों को यमराज का दूत माना जाता है। इसके अलावा तिहार के दौरान गाय और कौवों की भी पूजा की जाती है, जबकि आखिरी दिन भाई-टीका के साथ समाप्त होता है।

सम्पादकीय

लाल कृष्ण आडवाणी की शताब्दी की ओर प्रेरणादायक यात्रा

भारत रत्न लाल कृष्ण आडवाणी जी ने कार्यकर्ताओं की कई पीढ़ियों का पोषण किया और 'राष्ट्र सर्वोपरि' के स्पष्ट सिद्धांत पर आधारित पार्टी की नींव रखी। उनके 100वें वर्ष में प्रवेश करते हुए, मैं प्रार्थना करता हूं कि वे स्वस्थ रहें और हमेशा की तरह हम सभी को प्रेरित करते रहें। श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी आज, 8 नवंबर को अपने जीवन के 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि संयोगवश इस वर्ष उनका जन्मदिन दिवाली के दिन पड़ रहा है। दिवाली का यह त्योहार भगवान श्री राम और दिव्यता से जुड़ा है। एक और संयोग यह है कि एक ओर हम जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष पूरे कर रहे हैं, दूसरी ओर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहे हैं और हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया है, और उनका जन्मदिन ठीक उसी समय आया है जब वे अपना जन्मदिन मना रहे हैं। वास्तव में, ऐसे बहुत कम लोग हैं जिनके जीवन ने आधुनिक भारत के इतने विविध अध्यायों को छुआ हो। आडवाणी जी का जन्म 8 नवंबर 1927 को देव दिवाली के दिन हुआ था। 1947 में, जब वे अभी युवा ही थे, उन्हें सिंध में अपने परिचित संसार को पीछे छोड़ने का दर्द सहना पड़ा। लेकिन अपने जीवन में किसी भी कड़वाहट के बिना, उन्होंने अपना जीवन नए सिरे से संजोया। सभी कठिनाइयों को पार करने और नए सिरे से जीवन सृजित करने का उनका यह गुण जीवन भर उनके साथ रहा। जनसंघ को मजबूत करने और फिर भारतीय जनता पार्टी के निर्माण की प्रक्रिया में उनका यह गुण स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। भाजपा अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, 1989 में कांग्रेस की संख्या 400 से घटकर 200 से भी कम हो गई थी। इतना ही नहीं, 1996 में भाजपा पहली बार सबसे बड़ी पार्टी बनी। आडवाणी जी ने कार्यकर्ताओं की कई पीढ़ियों को प्रशिक्षित किया और राष्ट्र सर्वोपरि के स्पष्ट सिद्धांत पर आधारित पार्टी की नींव रखी। आडवाणी जी दो अन्य गुणों के कारण हमेशा एक विशिष्ट नेता के रूप में उभरे। इनमें से पहला है उनकी वैचारिक स्पष्टता और तीक्ष्ण बुद्धि। ये गुण उनके भाषणों और लेखों में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। उनके द्वारा लिखित जनसंघ और भाजपा के प्रस्ताव आज भी पढ़ने योग्य हैं। दूसरी ओर, उनके साक्षात्कार हमेशा सटीक और गहन विश्लेषणात्मक होते थे। साथ ही, भारतीय राजनीति के एक बड़े हिस्से द्वारा वर्षों से प्रस्तुत किए जा रहे भ्रामक धर्मनिरपेक्षता को जिस तरह से उन्होंने उजागर किया, वह उनका दूसरा गुण था। वास्तव में, आडवाणी जी ने हर जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाया। शुरुआती दिनों में, आडवाणी जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में काम किया। वहां से वे राजधानी दिल्ली चले गए। यहीं पर उन्होंने अटल जी के साथ घनिष्ठ रूप से काम करना शुरू किया। वास्तव में, हम इतिहास में देखते हैं कि दो महान राजनीतिक नेता एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी बनने के बजाय कई दशकों तक एक साथ काम करते हैं और सहयोग करते हैं। एक अर्थ में, आडवाणी जी और अटल जी ने एक महान उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने मिलकर भारतीय राजनीति की दिशा बदल दी। आडवाणी जी जब दिल्ली आए, उस समय दिल्ली विभाजन की भयावह वास्तविकता से उबरने की कोशिश कर रही थी। उस समय उन्होंने जनसंघ को मजबूत करने के कार्य में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। 1967 में आडवाणी जी दिल्ली महानगर परिषद के अध्यक्ष बने। वहां उन्होंने स्वर्गीय विजय कुमार मल्होत्रा जी के साथ काम किया। बाद में विजय कुमार मल्होत्रा जी मुख्य कार्यकारी पार्षद बने। आडवाणी जी का संसदीय करियर 1970 में शुरू हुआ और संसद में उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों की पूरे राजनीतिक जगत ने लगातार सराहना की। उन्होंने सांसद के रूप में और बाद में दोनों सदनों में विपक्ष के नेता के रूप में अपनी छाप छोड़ी। सत्ताधारी दल के सदस्य के रूप में भी उन्होंने ऐसी ही छाप छोड़ी। महत्वपूर्ण बात यह है कि संसदीय जिम्मेदारियों के बावजूद, वे पूरे भारत में यात्रा करते रहे और लोगों से मिलते रहे। मुझे 1991 के लोकसभा चुनाव बहुत अच्छी तरह याद हैं। यह तय हुआ था कि आडवाणी जी दो सीटों से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। इनमें से एक सीट गांधीनगर की थी। गुजरात से उनका पुराना रिश्ता था। विभाजन के बाद उनके पिता कच्छ में बस गए थे। आडवाणी जी गुजरात से राज्यसभा सांसद भी रह चुके थे। इसलिए एक तरह से यह उनके लिए घर वापसी जैसा था। उस समय मैं भाजपा संगठन में काम कर रहा था और इसी वजह से मुझे उनके नामांकन की तैयारी में मदद करने और पूरे चुनाव प्रचार के दौरान उनका साथ देने का सौभाग्य मिला। गांधीनगर की जनता ने उन्हें बार-बार संसद भेजा। गांधीनगर के मतदाता के रूप में, मुझे भी कई बार आडवाणी जी को वोट देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रति जो निरंतर ध्यान और देखभाल दिखाई है, उससे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। आपातकाल आडवाणी जी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। उन्होंने लोकतंत्र को बचाने और देश के संविधान की रक्षा करने के प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभाई। उन्होंने उस दौर के अपने अनुभवों को अपनी पुस्तक 'ए प्रिजनर्स स्क्रैप बुक' में दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है। इसी पुस्तक के 'दो आपातकालों की कहानी' नामक खंड में, जून 1975 से भारत में शुरू हुई घटनाओं और 1933 के नाज़ी जर्मन काल की घटनाओं के बीच उल्लेखनीय समानताओं को खूबसूरती से समझाया गया है। आडवाणी जी न केवल एक जुझारू विपक्षी नेता थे, बल्कि एक उत्कृष्ट प्रशासक भी थे।

जब 1977 में जनता पार्टी की सरकार सत्ता में आई, तो आडवाणी जी सूचना एवं प्रसारण मंत्री बने। यह सर्वविदित है कि इस विभाग में उनका कार्य अत्यंत प्रभावी रहा। उप प्रधानमंत्री और भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले गृह मंत्रियों में से एक के रूप में, उन्होंने भारत के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भरोसे की मांग करता डिजिटल लेनदेन

भारत में तिजोरियों और बही-खातों में दर्ज होने वाले धन का आवागमन अब मोबाइल स्क्रीन पर होने लगा है। दीपावली से पहले आई खबर के मुताबिक अक्टूबर 2026 में देश में यूपीआइ (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) के जरिये 2,547 करोड़ लेनदेन हुए, जिनका कुल मूल्य 31.53 लाख करोड़ रुपये रहा। पहली बार एक दिन में औसत लेनदेन का मूल्य एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। ये आंकड़े बताते हैं कि धन का प्रवाह अब अधिक तेज, सस्ता और पारदर्शी हो गया है, लेकिन भारतीय परंपरा में लक्ष्मी को चंचला कहा गया है। मान्यता है कि वे वहीं टिकती हैं, जहां व्यवस्था, शुचिता और भरोसा हो। भारत के डिजिटल कायाकल्प का सबक यह है कि सरकार ने इसकी सड़क बनाई और उस पर सबको चलने का अवसर दिया। जनधन खाते, आधार और मोबाइल यानी 'जैम' त्रिमूर्ति इसकी नींव बनी। अगस्त 2014 में शुरू हुई प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खोले गए खातों की संख्या जुलाई 2026 तक 58.84 करोड़ से अधिक हो चुकी थी। इसी नींव पर यूपीआइ खड़ा हुआ। अगस्त 2016 में पहले महीने इसके जरिये केवल 90 हजार लेनदेन हुए थे। वित्त वर्ष 2025-26 में यह संख्या 24 हजार करोड़ के पार पहुंच गई और लेनदेन का कुल मूल्य लगभग 314 लाख करोड़ रुपये रहा। वित्त मंत्रालय के अनुसार, दुनिया में होने वाले रियल-टाइम डिजिटल भुगतानों में लगभग 49 प्रतिशत हिस्सा अकेले यूपीआइ का है, जबकि देश के कुल डिजिटल भुगतानों में इसकी हिस्सेदारी 84 प्रतिशत है। यूएई, फ्रांस और सिंगापुर समेत 11 देशों में अब यूपीआइ के जरिये भुगतान संभव है। डिजिलाकर और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) इसी ढांचे की महत्वपूर्ण कड़ियां हैं, जिसे दुनिया 'इंडिया स्टैक' के नाम से जानती है। डिजिटल भुगतान अब अमीरों का शौक नहीं, आम आदमी की आदत बन चुका है। वित्त वर्ष 2025-26 में दुकानदारों को किए गए यूपीआइ भुगतानों में 86 प्रतिशत लेनदेन 500 रुपये से कम के थे। चाय, सब्जी और आटो का किराया अब क्यूआर कोड से चुकाया जा रहा है। जिस ठेले वाले के पास पहले कोई लिखित हिसाब नहीं होता था, उसके पास अब कमाई का डिजिटल रिकार्ड है। छोटा व्यापारी अब अपने लेनदेन के इतिहास के आधार पर औपचारिक कर्ज पाने का दावा कर सकता है। देश में रोजाना औसतन 82 करोड़ से अधिक यूपीआइ लेनदेन हो रहे हैं, लेकिन उजाले के साथ साया भी बढ़ा है और सबसे गहरा साया साइबर ठगी का है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के अनुसार, वर्ष 2025 में ठगी की 21.77 लाख शिकायतें दर्ज हुईं और लोगों ने लगभग 19,813 करोड़ रुपये गंवाए। हालांकि वर्ष 2024 में हुए 22,849 करोड़ रुपये के नुकसान की तुलना में यह रकम घटी है। 2025 के कुल नुकसान का 77 प्रतिशत फर्जी निवेश योजनाओं और आठ प्रतिशत 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़ा था। यानी समस्या तकनीक की कमजोरी से अधिक लालच, डर और जानकारी की कमी का फायदा उठाने की है। दूसरी चुनौती डिजिटल विभाजन की है। बुजुर्ग, कम पढ़े-लिखे लोग और कमजोर नेटवर्क वाले इलाकों के निवासी इस दौड़ में पीछे छूट सकते हैं। तीसरा प्रश्न डाटा की सुरक्षा और निजता का है। चौथा सवाल यूपीआइ के आर्थिक टिकाऊपन का है, क्योंकि मुफ्त सेवा उपलब्ध कराने में बैंकों और भुगतान कंपनियों को खर्च उठाना पड़ता है। इसी कारण एनपीसीआइ (भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम) ने दुकानों पर दो हजार रुपये से अधिक के भुगतान पर 0.40 प्रतिशत (अधिकतम 300 रुपये) शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है, जिसे फिलहाल दीपावली के बाद तक टाल दिया गया है। संतुलन बिगड़ा तो व्यापारी फिर नकदी की ओर लौट सकते हैं। चुनौतियों का समाधान डिजिटल रफ्तार धीमी करने में नहीं, उसे सुरक्षित बनाने में है। इसके लिए चार मोर्चों पर काम करना होगा। पहला, ठगी का पैसा रोकने की रफ्तार ठगों से तेज होनी चाहिए। हेल्पलाइन 1930 पर तत्काल शिकायत, बैंकों के बीच संदिग्ध खातों की साझा जानकारी और फर्जी सिम तथा 'म्यूल खातों' (आम लोगों के नाम पर खोले गए ऐसे खाते, जिनमें अपराधी ठगी का पैसा छिपाते हैं या आगे भेजते हैं) पर सख्त कार्रवाई इसकी कुंजी है। सीमा पार सक्रिय गिरोहों पर अंकुश लगाने के लिए कूटनीतिक सहयोग भी जरूरी है। दूसरा, डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाना होगा। 'कोई पुलिस अधिकारी वीडियो काल पर गिरफ्तारी नहीं करता' और 'पैसा पाने के लिए पिन नहीं डालना पड़ता' जैसे सरल संदेश जन-जन तक पहुंचाने होंगे। तीसरा, डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना होगा, ताकि नागरिकों का डाटा उनकी अनुमति के बिना कारोबार का साधन न बन सके। चौथा, यूपीआइ का लागत माडल संवेदनशीलता के साथ तय करना होगा। छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ न पड़े, लेकिन सेवा देने वाली संस्थाओं को सुरक्षा और नवाचार में निवेश के लिए पर्याप्त आय भी मिलती रहे। दस साल पहले जिस यूपीआइ के जरिये एक महीने में केवल 90 हजार लेनदेन हुए थे, वह आज दुनिया की सबसे बड़ी रियल-टाइम भुगतान प्रणालियों में शामिल है।

प्रकाश की आकांक्षा का अनूठा उत्सव

संध्या उतरती है। घरों की देहरियों पर दीप जलने लगते हैं। कहीं मिट्टी के छोटे दीयों में तेल की लौ कांपती है, कहीं रंगीन रोशनियां दीवारों पर अपना उत्सवी विस्तार रचती हैं। आकाश में आतिशबाजी के फूल खिलते हैं और कुछ क्षणों के लिए रात अपनी पहचान भूल जाती है। दीपावली का यह दृश्य हर वर्ष लौटता है, फिर भी उसकी प्रतीक्षा पुरानी नहीं पड़ती। शायद मनुष्य के भीतर प्रकाश की एक ऐसी आकांक्षा है, जिसे समय की कोई ऋतु समाप्त नहीं कर सकती। वह बाहर दीप जलाता है, लेकिन भीतर एक प्रश्न जागता रहता है- क्या जीवन में सचमुच कुछ उजाला हुआ? प्रकाश केवल अंधेरे का प्रतिपक्ष नहीं है। वह देखने की नई संभावना है। अंधेरे में वस्तुएं अपनी सीमाएं खो देती हैं, प्रकाश उन्हें पहचान लौटाता है। दीपावली का आत्मीय अर्थ तब खुलता है, जब मनुष्य बाहरी जगमगाहट से हटकर अपने भीतर देखता है। उत्सव की असली शुरुआत घर के बाहर नहीं, दृष्टि के भीतर होती है। दीपावली की तैयारी घर की साफ-सफाई से आरंभ होती है, लेकिन धूल केवल वस्तुओं पर नहीं जमती। समय की परतें मन पर भी उतरती हैं। प्रकाश पर्व पर घर सजाना अपने संसार को फिर से रचने जैसा है। कोई दरवाजे पर तोरण बांधता है, कोई चौखट पर रंगोली बनाता है, कोई मिट्टी के दीपों को अपने हाथों से रंगता है। फूलों की पंखुड़ियां आंगन में बिखरती हैं, तो लगता है जैसे प्रकृति ने घर के लिए छोटा सा पत्र भेजा हो। रंगोली मिट जाती है, फूल मुरझा जाते हैं, दीप बुझ जाते हैं, फिर भी उनसे उपजी छटा का आनंद मन में बचा रहता है। सौंदर्य का एक रहस्य उसकी क्षणभंगुरता में छिपा है। जो सदा नहीं रहता, वही कभी-कभी सबसे अधिक याद रह जाता है। एक छोटा-सा मिट्टी का दीया प्रकृति, श्रम और ऊर्जा का संसार समेटे रहता है। दीपक अंधेरे को पराजित करने की घोषणा नहीं करता। वह बस अपने हिस्से का प्रकाश देता है। शायद मनुष्य के लिए इससे बड़ी शिक्षा कोई नहीं कि अपनी छोटी-सी सामर्थ्य को व्यर्थ न जाने दे। दीपावली के साथ बाजार का विस्तार होता है। दुकानों की सजावट, नए वस्त्र, मिठाइयां और उपहार उत्सव को दृश्य वैभव देते हैं। बाजार इच्छाओं को पहचानता है और उन्हें नई वस्तुओं में बदलने की कला जानता है। वह बताता है कि किससे घर सुंदर होगा और कौन-सा उपहार संबंधों में मिठास बढ़ाएगा, पर वस्तु की चमक और जीवन की चमक एक नहीं होती। कोई महंगी वस्तु किसी संबंध की रिक्तता नहीं भर सकती, लेकिन दीपावली पर उपहार देने की परंपरा संबंधों की सुंदर भाषा है। कभी एक पुस्तक, घर में बनी मिठाई या हाथ से लिखा संदेश किसी बड़े उपहार से अधिक आत्मीय हो जाता है। उपहार यह कहने का विनम्र तरीका है कि दूसरा व्यक्ति हमारी स्मृति में उपस्थित है। समय ने परिवारों के रहने और मिलने के ढंग बदल दिए हैं। कई पीढ़ियां अब अलग-अलग नगरों और देशों में बसी हैं। डिजिटल माध्यमों ने दूरियों को छोटा किया है। मोबाइल की स्क्रीन पर चेहरे दिखाई देते हैं, शुभकामनाएं आती हैं, तस्वीरें साझा होती हैं। तकनीक ने संपर्क सहज बनाया है, लेकिन निकटता का अर्थ केवल एक-दूसरे को देख लेना नहीं है। किसी के पास बैठना, उसकी चुप्पी सुनना और साथ समय बिताना मनुष्य की ऐसी जरूरतें हैं, जिन्हें कोई उपकरण पूरा नहीं कर सकता। स्क्रीन चेहरा दिखा सकती है, उपस्थिति की ऊष्मा नहीं। उत्सव का सामाजिक अर्थ उन घरों की ओर देखने से खुलता है, जहां दीपावली की तैयारी सहज नहीं है। कहीं आर्थिक कठिनाई, कहीं बीमारी या अकेलापन है। किसी दूसरे के अंधेरे से अनजान रहकर अपनी रोशनी पर गर्व करना प्रकाश का कमजोर अर्थ है। किसी घर तक एक दीप पहुंचा देना कभी-कभी हजारों दीप जलाने से अधिक अर्थवान हो जाता है। प्रकृति के साथ हमारा संबंध दीपावली के अर्थ को नया विस्तार देता है। धुएं से भरी हवा और प्रदूषित परिवेश के बीच यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि उत्सव का आनंद प्रकृति की कीमत पर क्यों हो? परंपरा जीवन के साथ चलती है और समय से संवाद करती है। मिट्टी के दीपों को अपनाना, स्थानीय कारीगरों से वस्तुएं खरीदना तथा अनावश्यक शोर और धुएं से बचना उत्सव की आभा को अधिक संवेदनशील बनाना है। जिस धरती पर मनुष्य अपने उत्सव रचता है, उसकी सांसों का ध्यान रखना भी उत्सव की संस्कृति का हिस्सा है। दीपावली किसी के लिए घर लौटने की खुशी है, किसी के लिए बचपन की स्मृति, किसी के लिए धार्मिक आस्था और किसी के लिए नए आरंभ का संकेत। इन अलग-अलग अनुभूतियों के बीच एक साझा आकांक्षा हैः जीवन में कुछ प्रकाशमय हो, संबंधों में सहजता लौटे और भविष्य के प्रति विश्वास बना रहे।

उत्सव की सुंदरता उसकी इसी बहुलता में है। एक ही दीप की लौ अलग-अलग आंखों में अलग अर्थ लेकर उतरती है। क्या दीवाली पर हमने किसी पुराने संबंध को फिर से छुआ? किसी के श्रम को पहचाना? किसी अकेले व्यक्ति के लिए समय निकाला? दीपावली का स्थाई अर्थ शायद इसी बची हुई रोशनी में है। दीपक का प्रकाश सीमित होता है, लेकिन उससे जन्मी दृष्टि असीम हो सकती है। प्रकाश का सबसे सुंदर रूप वह नहीं, जो आंखों को चकाचौंध कर दे, बल्कि वह है जिसमें मनुष्य दूसरे मनुष्य को देख-समझ सके। रोशनी के बीच मनुष्य की तलाश शायद इसी देखने की कला का नाम है।

गजरा, खूबसूरत गाउन और चेहरे पर मुस्कान, प्रियंका चोपड़ा की दिवाली तस्वीरों ने जीता दिल



प्रियंका चोपड़ा ने लॉस एंजेलिस में निक जोनास और बेटी मालती के साथ दिवाली मनाई। प्रियंका ने पार्टी की तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनका देसी अंदाज फैंस को खूब पसंद आया। प्रियंका चोपड़ा ने लॉस एंजेलिस स्थित अपने घर पर दिवाली पार्टी रखी। अभिनेत्री गाउन और बालों में गजरा लगाए बेहद खूबसूरत नजर आईं। निक जोनास ने दिवाली के मौके पर एथनिक आउटफिट पहना। बेटी मालती मैरी सफेद रंग के लहंगे में दिखाई दीं। प्रियंका की तस्वीरों पर निक जोनास ने भी खास अंदाज में रिएक्ट किया। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा हर त्योहार को पूरे उत्साह के साथ मनाती हैं। भले ही वह शादी के बाद अमेरिका में रहने लगी हों, लेकिन भारतीय त्योहारों और परंपराओं से उनका जुड़ाव आज भी बरकरार है। इस बार भी प्रियंका ने लॉस एंजेलिस स्थित अपने घर पर दिवाली का जश्न मनाया। अब उन्होंने इस खास मौके की कुछ पसंदीदा तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जो फैंस का खूब ध्यान खींच रही हैं। प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दिवाली सेलिब्रेशन की तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री बेहद खूबसूरत गाउन में नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने लुक को खास बनाने के लिए बालों में गजरा भी लगाया हुआ है। ट्रेडिशनल अंदाज और चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान के साथ प्रियंका काफी खूबसूरत लग रही हैं। सफेद लहंगे में नन्ही मालती ने खींचा ध्यान वहीं, उनके पति निक जोनास भी इस जश्न में भारतीय रंग में रंगे दिखाई दिए। उन्होंने दिवाली के मौके पर एथनिक आउटफिट पहना हुआ था। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास की बेटी मालती मैरी भी इस खास मौके पर बेहद प्यारी लग रही थीं। मालती सफेद रंग के लहंगे में नजर आईं और उनका लुक भी पिता निक के आउटफिट से मैच करता दिखाई दिया। परिवार और दोस्तों के साथ प्रियंका ने की खूब मस्ती

प्रियंका ने दिवाली पार्टी की तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'इस दिवाली की कुछ पसंदीदा तस्वीरें। आप सभी को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं।' तस्वीरों में वह अपने परिवार और दोस्तों के साथ त्योहार का आनंद लेती दिखाई दे रही हैं। उनके पोस्ट पर पति निक जोनास ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कमेंट सेक्शन में दीये और हंसने वाली इमोजी शेयर की। प्रियंका की इन तस्वीरों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। फिल्म वाराणसी में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा इन दिनों एसएस राजामौली की अपकमिंग फिल्म वाराणसी को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ साउथ सुपरस्टार महेश बाबू मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। प्रियंका के इस प्रोजेक्ट को उनके भारतीय सिनेमा में एक बड़े कमबैक के तौर पर भी देखा जा रहा है।

अजय देवगन नहीं चाहते बेटी न्यासा बनें एक्ट्रेस, बोलें- बच्चों को खुद चुनने देंगे अपना रास्ता



अजय देवगन का पुराना बयान एक बार फिर चर्चा में है। एक्टर नहीं चाहते कि उनकी बेटी न्यासा देवगन उनके कहने पर फिल्म इंडस्ट्री में काम करे। अजय देवगन चाहते हैं कि न्यासा और युग अपना रास्ता खुद चुनें। अजय देवगन ने 2021 में बेयर ग्रिल्स के शो में बच्चों के भविष्य पर बात की थी। अजय के अनुसार न्यासा की फिलहाल एक्टिंग में ज्यादा दिलचस्पी नहीं है। बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन अपनी फिल्मों के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। अजय और काजोल के 2 बच्चे हैं- बेटी न्यासा देवगन और बेटा युग देवगन। दोनों के भविष्य और करियर को लेकर अजय देवगन की सोच काफी साफ है। वह नहीं चाहते कि उनके बच्चे सिर्फ माता-पिता के फिल्मी दुनिया से जुड़े होने की वजह से अभिनय को अपना करियर बनाएं। बच्चों को खुद चुनना चाहिए अपना रास्ता दरअसल साल 2021 में अजय देवगन एडवेंचर रियलिटी शो 'इनटू द वाइल्ड विद बेयर ग्रिल्स' में पहुंचे थे।

दिवाली पर कैटरीना कैफ-विक्की कौशल ने दिखा दिया बेटे विहान का चेहरा, पहली झलक देख फैंस हुए खुश



कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने दिवाली पर बेटे विहान की पहली तस्वीर शेयर कर फैंस को सरप्राइज दिया। अर्जुन कपूर समेत कई बॉलीवुड सितारों ने नन्हे विहान पर प्यार लुटाया। कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने दिवाली 2026 पर बेटे विहान की पहली तस्वीर शेयर की। बेटे के जन्म के बाद पहली बार कपल ने उसका चेहरा फैंस को दिखाया। कैटरीना के पोस्ट पर अर्जुन कपूर और कियारा आडवाणी समेत कई सितारों ने रिएक्ट किया। दि विक्की-कैटरीना के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स वर्कफ्रंट की बात करें तो विक्की कौशल को आखिरी बार फिल्म 'छावा' में देखा गया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। अब वह संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगे। इसके अलावा उनके पास 'महावतारः एक महाकाव्य गाथा' भी है, जिसमें वह भगवान परशुराम की भूमिका निभाते दिखाई देंगे। वाली 2026 का त्योहार बॉलीवुड सितारों के लिए भी बेहद खास रहा। इस मौके पर कई सेलेब्स ने अपने परिवार और दोस्तों के साथ त्योहार मनाया और सोशल मीडिया पर इसकी झलकियां शेयर कीं। लेकिन इस बार सबसे ज्यादा चर्चा कैटरीना कैफ और विक्की कौशल की दिवाली पोस्ट की हो रही है। कपल ने अपने फैंस को ऐसा सरप्राइज दिया है, जिसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था। दरअसल, कैटरीना और विक्की ने पहली बार अपने बेटे विहान का चेहरा दुनिया को दिखाया है। कैटरीना कैफ ने दिवाली के खास मौके पर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बेटे विहान की प्यारी सी तस्वीर शेयर की। बेटे के जन्म के बाद यह पहला मौका है, जब कपल ने उसका चेहरा फैंस को दिखाया है। ऐसे में उनके चाहने वालों के लिए यह किसी दिवाली गिफ्ट से कम नहीं है। इस खास तस्वीर के साथ कैटरीना ने सभी को दिवाली की शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'हमारी अब तक की सबसे शानदार दिवाली। सभी को ढेर सारा प्यार, रोशनी और खुशियां मिले। विक्की, कैटरीना और विहान।' सेलेब्स ने भी लुटाया विहान पर प्यार कैटरीना कैफ और विक्की कौशल की इस पोस्ट पर बॉलीवुड के कई सितारों ने प्रतिक्रिया दी है। सोनम कपूर, अनन्या पांडे, कियारा आडवाणी, रकुल प्रीत सिंह, मृणाल ठाकुर, आयुष्मान खुराना, भूमि पेडनेकर, अथिया शेट्टी, मलाइका अरोड़ा और करीना कपूर समेत कई सेलेब्स ने कपल को दिवाली की बधाई दी। वहीं, अर्जुन कपूर ने भी पोस्ट पर कमेंट करते हुए विहान के लिए प्यार जताया। उन्होंने लिखा, 'लाडो।' बता दें कि विहान 7 नवंबर को एक साल के हो गए हैं। विक्की और कैटरीना ने 9 दिसंबर 2021 को राजस्थान में शाही अंदाज में शादी की थी। शादी के बाद पिछले साल दोनों ने बेटे का स्वागत किया था।

टीम इंडिया के संभावित 20 खिलाड़ियों की लिस्ट तैयार; यशस्वी जायसवाल का पत्ता साफ, इन 3 नए गेंदबाजों को मौका



आगामी 2027 ODI World Cup के लिए टीम इंडिया के 20 सदस्यीय संभावित स्क्वाड में रोहित, कोहली और बुमराह के साथ इन युवा खिलाड़ियों को मिल सकता है मौका, देखें पूरी लिस्ट। 2027 वनडे वर्ल्ड कप 2 अक्टूबर से दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा। समय कम होने के कारण टीम इंडिया मैनेजमेंट लगातार नए खिलाड़ियों को आज़मा रहा है। अंतिम 15 सदस्यीय स्क्वाड के लिए चयनकर्ताओं ने 20 खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट किए हैं। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप का आगाज अगले साल 2 अक्टूबर से होने जा रहा है। इस मेगा इवेंट के लिए अब एक साल से भी कम का समय बचा है।

कौन हैं अर्जुन राजपूत?, पाकिस्तान के खिलाफ 80 गेंदों में जड़ा धमाकेदार शतक



पाकिस्तान के खिलाफ संकट में फंसी टीम इंडिया के लिए जालंधर के अर्जुन राजपूत ने 80 गेंदों में शानदार शतक जड़ा। आइए जानते है इस युवा क्रिकेटर की संघर्ष और सफलता की कहानी। अर्जुन राजपूत ने महज 80 गेंदों में 11 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 107 रनों की तूफानी पारी खेली। भारतीय टीम के 42 रन पर 4 विकेट गिर जाने के बाद उन्होंने अकेले दम पर पारी को संभाला। सहवाग और द्रविड़ के बेटों के फ्लॉप होने के बाद अर्जुन ने टीम को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाया। अंडर-19 एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए हाई-वोल्टेज मुकाबले में जालंधर के 19 वर्षीय युवा बल्लेबाज अर्जुन राजपूत ने महज 80 गेंदों में एक ऐतिहासिक शतक जड़कर तहलका मचा दिया है। इस मैच में जब भारतीय टीम महज 42 रन पर 4 विकेट और वहीं एक समय 22 रन पर 3 विकेट खोकर जब बेहद मुश्किल स्थिति में थी, तब 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए अर्जुन ने बिना किसी दबाव के 11 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 107 रनों की तूफानी पारी खेली। वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ के बेटों की नाकामी के बाद अर्जुन ने अकेले दम पर टीम इंडिया को बेहद सम्मानजनक स्थिति में पहुँचाया। 80 गेंदों में अर्जुन का काउंटर अटैक दरअसल, मैच में भारतीय शीर्ष क्रम बुरी तरह फ्लॉप रहा। बेहद दबाव वाले इस मुकाबले में अर्जुन राजपूत ने मैदान पर कदम रखते ही सबसे पहले पारी को संभाला। उन्होंने शुरुआत में संयम दिखाया और सिर्फ 43 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। फिफ्टी पूरी करते ही अर्जुन ने गियर बदला और पाकिस्तानी गेंदबाजों पर काउंटर अटैक करते हुए मात्र 80 गेंदों में अपना शानदार शतक पूरा कर लिया। वह 107 के स्कोर पर रिजवानुल्लाह का शिकार बने। जानें कौन हैं अर्जुन राजपूत? आपको बता दें कि बाएं हाथ के होनहार बल्लेबाज और शानदार ऑफ स्पिनर अर्जुन राजपूत पंजाब के जालंधर के रहने वाले हैं। उनके पिता का नाम होती राम है।

ट्रंप को मारने की धमकी देने वाला शख्स गिरफ्तार, व्हाइट हाउस के पास चोरी की कार में मिले 3 हथियार

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने व्हाइट हाउस के पास एक वेनेजुएला के नागरिक को गिरफ्तार किया। उसकी चोरी की कार से एक राइफल, दो पिस्तौल और गोलियां बरामद हुईं।

व्हाइट हाउस के पास संदिग्ध की गिरफ्तारी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी चोरी की कार से हथियार और गोला-बारूद बरामद होने का मामला अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि वह चोरी की कार में हथियार लेकर घूम रहा था और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी दे रहा था। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में लिया। आरोपी की पहचान रॉनी यॉर्ड्रिक्स गुआनिपा चिरिनोस के रूप में हुई है। वह वेनेजुएला का नागरिक है और अमेरिका में अवैध रूप से दाखिल हुआ था। अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (DHS) के मुताबिक, सीक्रेट सर्विस के एजेंटों को व्हाइट हाउस के पास एक कार में



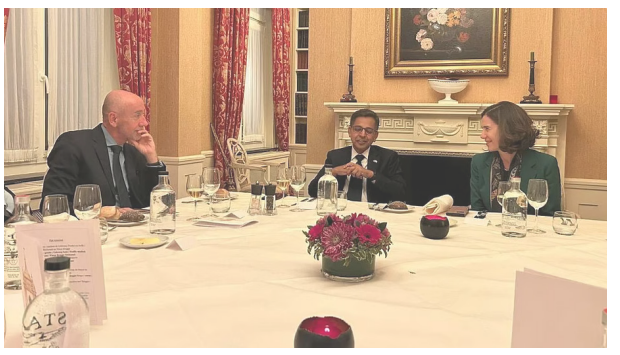
संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दीं। जब अधिकारियों ने कार जांच के दौरान अधिकारियों सवार व्यक्ति से पूछताछ की को पता चला कि जिस कार तो उसने बताया कि उसके में आरोपी सवार था, वह चोरी दिमाग में कुछ आवाजें आ रही की थी। संदिग्ध ने भी स्वीकार थीं, जो उसे वॉशिंगटन डीसी किया कि उसकी गाड़ी में जाकर राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या हथियार मौजूद हैं। इसके बाद करने के लिए कह रही थीं। तलाशी लेने पर अधिकारियों को एक राइफल, दो हैंडगन और दर्जनों राउंड गोला-बारूद मिले। 2024 में अवैध रूप से अमेरिका में दाखिल हुआ था आरोपी DHS के मुताबिक, आरोपी साल 2024 में अवैध रूप से अमेरिका में दाखिल हुआ था। उसे हथियारों से जुड़े कई आरोपों के अलावा बिना अनुमति वाहन का इस्तेमाल करने और चोरी का सामान रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल वह US मार्शल्स सर्विस की हिरासत में है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के डायरेक्टर शॉन करन ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि उनके एजेंट किस तरह अपनी ट्रेनिंग और अनुभव का इस्तेमाल करके तनावपूर्ण परिस्थितियों को संभालते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति से राष्ट्रपति समेत अन्य अमेरिकी नागरिकों को तत्काल खतरा हो सकता था। गौरतलब है कि मई में भी व्हाइट हाउस के पास एक सुरक्षा जांच चौकी पर गोलीबारी की घटना हुई थी। उस दौरान सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने हमलावर को गोली मार दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। उस व्यक्ति के बारे में पहले से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने की जानकारी सामने आई थी।

दुनिया के किस देश के लोग सबसे ज्यादा बुद्धिमान? पाकिस्तान 74वें नंबर पर



दुनिया के किस देश के लोगों का IQ लेवल सबसे ज्यादा होता है? भारत-पाकिस्तान में से कहां के लोग ज्यादा बुद्धिमान हैं? यदि ऐसे सवाल आपके मन में है तो यह खबर आपके लिए है। 143 देशों की IQ रैंकिंग में भारत की स्थिति पूर्वी एशियाई देशों के टॉप पर रहने की वजह अमीर खाड़ी देशों का IQ रैंकिंग में पिछड़ना दुनिया के अलग-अलग देशों की औसत IQ (इंटेलिजेंस कोशेंट) को लेकर जारी एक नई रैंकिंग में भारत की स्थिति भी सामने आई है। इस रैंकिंग में हांगकांग पहले स्थान पर है, जबकि सोमालिया सबसे आखिरी पायदान पर है। खास बात यह है कि पहले और आखिरी स्थान पर मौजूद देशों के औसत IQ स्कोर में 23.89 अंकों का अंतर है। यानी 143 देशों और क्षेत्रों की इस सूची में सबसे ज्यादा और सबसे कम औसत IQ के बीच का अंतर उतना बड़ा नहीं है, जितना आमतौर पर माना जाता है। यह आंकड़ा इंटरनेशनल IQ टेस्ट के ऑनलाइन असेसमेंट पर आधारित है। साल 2025 में दुनिया भर के 12 लाख से अधिक लोगों ने यह टेस्ट दिया था। सभी प्रतिभागियों ने एक ही टेस्ट दिया, जिससे अलग-अलग तरह के टेस्ट के आधार पर देशों की तुलना करने की समस्या कम होती है। इस टेस्ट में औसत स्कोर 100 और स्टैंडर्ड डेविएशन 15 रखा गया है। IQ रैंकिंग में भारत किस नंबर पर डेटापांडास साइट के अनुसार इस सूची में भारत 53वें स्थान पर है। भारत का औसत IQ स्कोर 98.44 दर्ज किया गया है, जो 100 के वैश्विक औसत से थोड़ा कम है। भारत के ठीक ऊपर मलेशिया 52वें स्थान पर है, जिसका स्कोर 98.51 है। वहीं भारत के बाद मोंटेनेग्रो 54वें स्थान पर है। पड़ोसी देशों में श्रीलंका 18वें, बांग्लादेश 67वें, नेपाल 68वें और पाकिस्तान 74वें स्थान पर है।

होराइजन यूरोप से जुड़ने का रास्ता साफ! भारत-EU ने बातचीत पूरी की, रिसर्चर के लिए नई उम्मीदें



भारत ने होराइजन यूरोप में जुड़ने के लिए बातचीत पूरी कर ली है। इससे शोधकर्ताओं और इनोवेटर्स के लिए एक-दूसरे के साथ और अधिक निकटता से काम करने, नई तकनीकें विकसित करने के नए अवसर खुलेंगे। भारत ने होराइजन यूरोप से जुड़ने के लिए बातचीत पूरी की अनुसंधान के क्षेत्र में भारत नहीं ऊंचाई छूने के लिए तैयार 15 जुलाई की बैठक के बाद बातचीत की प्रक्रिया शुरू हुई भारत और यूरोपीय संघ (EU) ने होराइजन यूरोप से भारत के जुड़ने के लिए बातचीत सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। 'होरिजोन यूरोप', यूरोपीय संघ का प्रमुख अनुसंधान और नवाचार कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम से भारत का जुड़ना, दोनों पक्षों के बीच अनुसंधान सहयोग के एक दीर्घकालिक संस्थागत ढांचे की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। यह कदम विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग पर भारत-यूरोपीय संघ समझौते तथा 'भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद' के तहत पहले से चल रही अनुसंधान एवं विकास (R&D) परियोजनाओं और सहयोग को और आगे बढ़ाएगा। इस पहल से दोनों देशों को फायदा इस जुड़ाव से भारतीय शोधकर्ताओं, संस्थानों और उद्योगों को 'होरिजोन यूरोप' कार्यक्रम के तहत फंडिंग के अवसरों में भाग लेने और सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से काम करने में मदद मिलेगी। साथ ही, उन्हें यूरोपीय संघ के शोध समूहों और अत्याधुनिक अनुसंधान बुनियादी ढांचे तक पहुंच प्राप्त होगी। इससे प्रतिभाओं की आवाजाही बढ़ेगी और महत्वपूर्ण तकनीकों, मानकों तथा समाधानों का बड़े पैमाने पर संयुक्त विकास संभव हो सकेगा। वैज्ञानिक क्षमताओं को मजबूत करेगा होराइजन यूरोप के दूसरे स्तंभ (Pillar II) में स्वास्थ्य, डिजिटल तकनीक, उद्योग और अंतरिक्ष, जलवायु, ऊर्जा और गतिशीलता, खाद्य तथा जैव-अर्थव्यवस्था जैसे विषय शामिल हैं।

पैराग्वे में पूर्व राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को नजरबंद किया, डिजिटल बैंक के डूबने से वित्तीय संकट



पैराग्वे के पूर्व राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पर कार्रवाई की गई है। शुक्रवार को महाभियोग की प्रक्रिया के बाद उन्हें नजरबंद किया गया। 'उएनो' बैंक के डूबने से कदम उठाया गया है। पैराग्वे के पूर्व राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को नजरबंद कर दिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को सांसदों ने उन पर महाभियोग चलाया था। 'उएनो' नामक डिजिटल बैंक के डूबने से पैदा हुए राजनीतिक और वित्तीय संकट के बीच उठाया गया है। पैराग्वे के पूर्व राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को नजरबंद कर दिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को महाभियोग की प्रक्रिया के बाद यह कार्रवाई की। इससे कुछ समय पहले ही सांसदों ने उन पर महाभियोग चलाकर पद से हटा दिया था।

इजराइल में बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता पर संकट! राष्ट्रपति ने आइजेनकोट को दिया सरकार बनाने का औपचारिक न्यौता

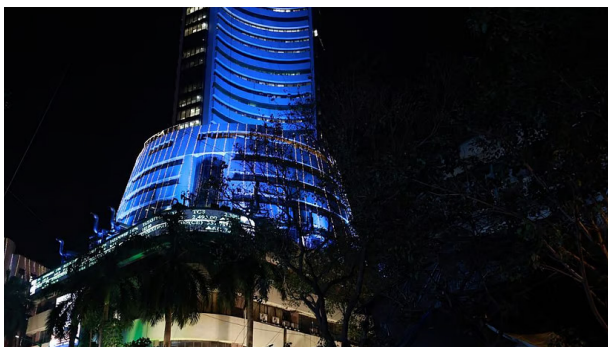


इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने विपक्षी नेता और पूर्व सेना प्रमुख गादी आइजेनकोट को इजराइल की नई सरकार बनाने का औपचारिक न्यौता दे दिया है। इजराइल में बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता पर मंडराया संकट राष्ट्रपति इसाक हर्जोग का गादी आइजेनकोट को औपचारिक न्यौता अगली सरकार बनाने के लिए आइजेनकोट को न्यौता दिया शाम 5 बजे राष्ट्रपति आवास पर आयोजित कार्यक्रम में जनादेश सौंपेंगे इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग के इस औपचारिक न्यौता के बाद अब इजराइल में बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता डगमगाती हुई दिखाई दे रही है। इस बीच नेतन्याहू ने राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की अपील की है और अरब पार्टियों से गठबंधन पर चेतावनी दी है। चुनाव के बाद से बढ़ रहा था राजनीतिक तनाव बता दें कि इजरायल में चुनाव के बाद से ही राजनीतिक तनाव की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने अगली सरकार बनाने के लिए यशार पार्टी के चीफ और पूर्व आर्मी चीफ गादी आइजेनकोट को चुन लिया है। हर्जोग ने शनिवार 7 नवंबर की शाम को घोषणा की थी कि वो गादी आइजेनकोट को अगली सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपेगी। इससे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता में बने रहने कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। आज औपचारिक रूप से सरकार बनाने का जनादेश सौपेंगे आज इजराइल देश के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग शाम 5 बजे राष्ट्रपति आवास पर आयोजित एक समारोह में आइजेनकोट को औपचारिक रूप से सरकार बनाने के लिए जनादेश सौंपने वाले हैं। बता दें कि इसके बाद आइजेनकोट को सरकार बनाने के लिए 28 दिन का समय मिलेगा। लेकिन अधिक ज्यादा जरूरत पड़े तो राष्ट्रपति उन्हें 14 दिनों का अतिरिक्त समय भी दे सकते हैं। खास बात ये है कि अगर वे सरकार बनाने में असफल रहते हैं तो इसके बाद नेतन्याहू को मौका दिया जा सकता है। ऐसे में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता पर संकट मंडरा रहा है।

अंधेरी में बड़ा हादसा टला, लोखंडवाला

के जानमाल के नुकसान या किसी के भी घायल होने की कोई आधिकारिक सूचना नहीं है। समय पर उठाए गए कदमों से स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में आ गई। बई के पॉश इलाके अंधेरी पश्चिम में लोखंडवाला ब्रिज के समीप बने प्रतिष्ठित रनवाल टावर में एक बड़ी दुर्घटना टल गई। इस बहुमंजिला आवासीय इमारत की 17वीं मंजिल पर स्थित फ्लैट संख्या 1701 में शनिवार की रात अचानक आग लग गई। जिससे वहां हड़कंप मच गया। रात के समय अचानक आग लगने की इस सूचना से इमारत के रहवासियों और आसपास के इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। दमकलकर्मियों ने आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया मुंबई अग्निशमन दल (MFB) को रात लगभग 9:50 बजे इस दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग ने बिना समय गंवाए त्वरित कार्रवाई की और अपनी टीमों को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया। मुस्तैदी दिखाते हुए दमकलकर्मियों ने महज कुछ ही मिनटों के भीतर, यानी रात 10:37 बजे तक आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। समय पर मिली सूचना और त्वरित राहत एवं बचाव कार्य के कारण एक बड़ा हादसा होने से टल गया। इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन और घरेलू सामान तक प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग का दायरा सीमित था। यह मुख्य रूप से फ्लैट के भीतर लगे बिजली के तारों इलेक्ट्रिक वायरिंग, इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन और घरेलू सामान तक ही सीमित रही। गनीमत यह रही कि आग अन्य कमरों या आसपास के फ्लैटों तक नहीं फैल पाई। फिलहाल आग लगने के स्पष्ट कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और इसके सटीक कारणों का पता लगाने के लिए संबंधित विभाग द्वारा गहन जांच की जा रही है। आपातकालीन 108 एंबुलेंस सेवा और संबंधित वार्ड घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रभाव से कई सरकारी और निजी एजेंसियों को सक्रिय कर दिया गया। सूचना मिलते ही मुंबई अग्निशमन दल के जवानों के साथ-साथ स्थानीय पुलिस बल, अदाणी समूह के तकनीकी कर्मचारी, आपातकालीन 108 एंबुलेंस सेवा और संबंधित वार्ड के प्रशासनिक कर्मचारियों को तुरंत मौके पर भेज दिया गया ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

सुस्त रहा शेयर बाजार, सेंसेक्स सपाट बंद; स्मॉलकैप शेयरों में दिखी जोरदार खरीदारी



मुहूर्त ट्रेडिंग 2026 में शेयर बाजार लगभग सपाट बंद हुआ, लेकिन स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में जोरदार खरीदारी देखी गई। सेंसेक्स 28.02 अंक की गिरावट के साथ 80,999.40 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार मुहूर्त ट्रेडिंग पर शुक्रवार को करीब सपाट बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 28.02 अंक की कमजोरी के साथ 80,999.40 पर था। मुहूर्त ट्रेडिंग पर लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप-स्मॉलकैप में खरीदारी देखी गई। भारतीय शेयर बाजार मुहूर्त ट्रेडिंग पर शुक्रवार को करीब सपाट बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 28.02 अंक या 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 80,999.40 और निफ्टी 43.95 अंक या 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,986.40 पर था। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 81.50 अंक या 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 60,688.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 191.35 अंक या 1.01 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,166.40 पर था। इन सेक्टरों में बंपर उछाल सूचकांकों में निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी मेटल, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी ऑटो और निफ्टी पीएसई गेनर्स थे। दूसरी तरफ निफ्टी रियल्टी, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी आईटी, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी कंजप्शन और निफ्टी एफएमसीजी लूजर्स थे। आज के टॉप गेनर्स और लूजर्स सेंसेक्स पैक में सन फार्मा, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, बीईएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक, एचयूएल, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, आईटीसी, टाइटन और कोटक महिंद्रा बैंक गेनर्स थे। एमएंडएम, इंडिगो, ट्रेंट, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस और बजाज फाइनेंस लूजर्स थे।

संवत 2083 की शानदार शुरुआत, 300 अंक उछला सेंसेक्स; निफ्टी 25,050 के पार



दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग में सेंसेक्स 300 अंक उछला और निफ्टी 25,050 के पार पहुंचा। संवत 2083 की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के साथ हुई। जानें टॉप गेनर्स और लूजर्स। दिवाली के दिन शेयर बाजार ने नए हिंदू वर्ष संवत 2083 की शुरुआत उत्साहजनक तरीके से की। बाजार खुलते ही बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में लगभग 0.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग 2026 में सेंसेक्स, निफ्टी और बैंक निफ्टी मजबूत तेजी के साथ ऊपर कारोबार कर रहे हैं। दिवाली के दिन शेयर बाजार ने नए हिंदू वर्ष संवत 2083 की शुरुआत उत्साहजनक तरीके से की। बाजार खुलते ही सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 0.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। सात लगातार सत्रों की मजबूती के बाद दिवाली, यानी 8 नवंबर 2026 को मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र में भारतीय शेयर बाजार ने सकारात्मक रुख के साथ कामकाज शुरू किया। विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग 2026 में सेंसेक्स, निफ्टी और बैंक निफ्टी मजबूत तेजी के साथ ऊपर कारोबार कर रहे हैं। यदि सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में बंद होते हैं, तो यह लगातार नौवां मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र होगा जब प्रमुख सूचकांक उच्च स्तर पर बंद होंगे। दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग 2026: इन शेयरों में दिखा बदलाव दिवाली 2026 के विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र में सेफ एंटरप्राइजेज रिटेल, हिंदुस्थान इंसुलेटर्स, फिनोलेक्स केबल्स, बांको प्रोडक्ट्स इंडिया, धुनसेरी वेंचर्स और सुप्रिया लाइफसाइंसेज के शेयर वॉल्यूम में प्रमुख बदलाव देखे गए। दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग 2026: टॉप गेनर्स और लूजर्स डिवीज लैब, टाटा स्टील, वेदांता एल्युमिनियम एंड मेटल, सीजी पावर, सन फार्मा और टाटा मोटर्स पीवी सबसे अधिक बढ़ने वाले शेयरों में शामिल रहे, जबकि एसबीआई लाइफ, टाटा कैपिटल, इंडिगो, डीएलएफ, बीपीसीएल और इंफोसिस सबसे अधिक गिरने वाले शेयरों में रहे। दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग 2026 पर एक्सपर्ट की राय मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन और सह-संस्थापक रामदेव अग्रवाल ने संवत 2083 की मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान कहा कि पिछले दो वर्षों के ठहराव के बाद, बाजार में अगली दिवाली तक निवेशकों को शानदार रिटर्न देने की संभावना है। इसका कारण है कम मूल्यांकन और उच्च आय वृद्धि का संयोजन। तेल की कीमतों में संभावित कमी, स्थिर मुद्रा, विदेशी निवेशकों की वापसी, एआई के हाइप में कमी और व्यापक आधार वाली आय वृद्धि ऊंचे मूल्यांकन गुणकों को समर्थन देंगी।

असली है या नकली? चांदी का सिक्का पहचानने का ये ट्रिक है उपयोगी, आसान तरीके से घर में ही कर सकते पहचान



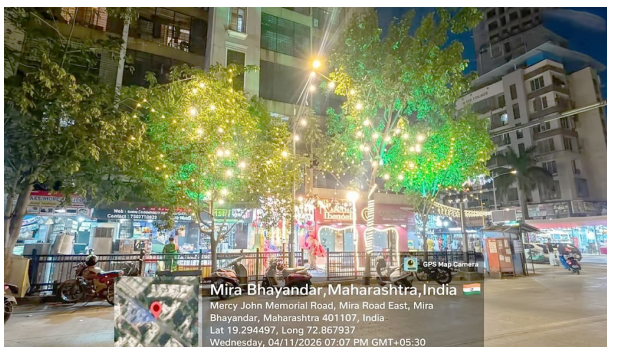
चांदी के सिक्के को पहचानने का सबसे आसान तरीका अगर घर में मौजूद हो तो फिर परेशान होने की जरूरत नहीं है। चार तरह से आसानी से घर में कर सकते पहचान। चां देश में त्योहारों का सीजन शुरू है और दीपावली की धूम से मार्केट में चहल-पहल देखने को मिल रही है। मान्यता के अनुसार दीपावली से पहले धनतेरस के दिन लोग गोल्ड और चांदी की खरीददारी करते हैं। देश की एक बड़ी आबादी धनतेरस के दिनचांदी के सिक्कों की खरीददारी करती है। सवाल ये उठता है कि धनतेरस के मौके पर खरीदा जाने वाला चांदी का सिक्का असली है फिर नकली? असल में चांदी धातु पर अभी होलमार्क अनिवार्य नहीं है ऐसे में मिलावट खोर चांदी में तांबा, कैडमियम, निकेल, एल्यूमीनियम और जस्ता जैसी धातुओं की मिलावट कर देते हैं। मुद्दा चांदी के धातु की पहचान करने का है कि चांदी के धातु की पहचान कैसे किया जाएगा? इसके लिए लैब जाने की जरूरत नहीं है। आप इस ट्रिक से घर बैठे भी चांदी की पहचान कर सकते हैं। चांदी का बर्फ टुकड़ा परीक्षण घर में चांदी के धातु के पहचान के लिए सबसे सरल और आसान तरीका चांदी के सिक्के या धातु के ऊपर बर्फ का एक छोटा टुकड़ा रख देंगे। अगर सिक्का या धातु शुद्ध चांदी का है, तो बर्फ इतनी तेजी से पिघलेगी जैसे वह किसी गर्म तवे पर रखी हो। यदि बर्फ सामान्य गति से यानी जैसे साधारण तापमान पर पिघलती है, उसी तरह पिघल रही है, तो समझ लीजिए कि सिक्का या धातु में मिलावट या नकली है।

पृष्ठ 1/8 का शेष

यकीन नहीं होता! न ऑफिस, न टारगेट

CM देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि विलय का फैसला पवार परिवार को करना है। विधायक महेंद्र थोरवे ने दावा किया कि अजित पवार के निधन के बाद तटकरे डिप्टी सीएम बनना चाहते थे।

मीरा-भाईंदर में आयुक्त के बंगले के पास पेड़ों पर लगीं बिजली की लड़ियां, प्रशासन पर उठे सवाल



मीरा-भाईंदर में आयुक्त के सरकारी बंगले के पास पेड़ों पर बिजली की लड़ियां लगाने पर विवाद खड़ा हो गया है। पर्यावरणप्रेमी ने सजावट और अनुमति की जांच मांगी है। मनपा ने 21 अगस्त 2024 को पेड़ों पर लाइट और विज्ञापन लगाने पर प्रतिबंध लगाया था। नियम तोड़ने पर दो कानूनों के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। वर्ष 2025 में काशीमीरा के एक होटल संचालक पर मामला दर्ज हुआ था। फॉर फ्यूचर इंडिया के अध्यक्ष हर्षद ढगे ने आपत्ति जताई है। पेड़ों पर कीलें ठोकने, विज्ञापन लगाने और बिजली की लड़ियां बांधने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देने वाला मीरा-भाईंदर महानगरपालिका प्रशासन अब खुद सवालों के घेरे में है। दिवाली के अवसर पर मनपा आयुक्त राधाबिनोद शर्मा के सरकारी बंगले के आसपास पेड़ों पर बड़ी संख्या में बिजली की लड़ियां लगाए जाने का मामला सामने आया है। इससे मनपा के नियमों की निष्पक्षता और प्रशासन के दोहरे मापदंड पर सवाल खड़े हो गए हैं। पर्यावरणप्रेमी हर्षद ढगे ने पेड़ों से बिजली की लड़ियां तत्काल हटाने, पेड़ों को हुए नुकसान का निरीक्षण कर पंचनामा बनाने तथा सजावट की अनुमति, सरकारी खर्च और संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार की भूमिका की जांच करने की मांग की है। प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल बता दें कि मीरा-भाईंदर मनपा के उद्यान विभाग ने 21 अगस्त 2024 को सार्वजनिक सूचना जारी कर पेड़ों पर कीलें ठोकने, पोस्टर, विज्ञापन और बिजली की लाइटें लगाने पर प्रतिबंध लगाया था।

मुंबई MMR के रियल्टी मार्केट

कि वैश्विक आर्थिक अस्थिरता का भारतीय रियल एस्टेट पर सीमित असर होगा, जबकि 62 प्रतिशत खरीदारों ने 2 और 3 बीएचके घरों को प्राथमिकता दी है। लग्जरी में भी 32,000 करोड़ से अधिक के सौदे देश की आर्थिक राजधानी में मिलियनर की बढ़ती संख्या के कारण लग्जरी आवास बाजार में भी मांग मजबूत बनी हुई है। अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच मुंबई में 5 करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले घरों के 3,145 सौदे हुए, जिनका कुल मूल्य 32,623 करोड़ रुपये रहा। दक्षिण मुंबई के साथ वरली, परेल, महालक्ष्मी और वडाला तथा पश्चिमी उपनगरों में लक्जरी हाउसिंग की बिक्री सबसे अधिक हुई। इसके साथ साथ मुंबई के बाहर नवी मुंबई, ठाणे जिला,कल्याण, पनवेल इन एमएमआर इलाकों में अफोर्डेबल हाउसिंग पर लोगों की नजरें लगी हुईं हैं। पहली बार घर खरीदने वालों में उत्साह जेवीएम स्पेसेज के पार्टनर सीए मंथन मेहता का कहना है कि दिवाली के त्योहारी सीजन में मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई के रियल एस्टेट बाजार में सकारात्मक रुझान देखने को मिला है। किफायती और मध्यम आय वर्ग के घरों की मांग अधिक है, खासकर पहली बार घर खरीदने वालों में उत्साह है। हालांकि, जमीन और निर्माण लागत में बढ़ोतरी किफायती आवास की राह में बड़ी चुनौती बनी हुई है। महानगर में बेहतर कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे का विकास और आसान भुगतान योजनाएं आवासीय मांग को दिवाली के बाद भी बढ़ावा देंगी। ठाणे, कल्याण-डोंबिवली सहित एमएमआर के उभरते क्षेत्र किफायती आवास के विकास में अहम भूमिका निभाएंगे. निवेशकों व घर खरीदारों का भरोसा कायम तत्वम बिल्डर्स एंड डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक राहुल मारू का कहना है कि लग्जरी प्रॉपर्टी बाजार में भी 32,000 करोड़ से अधिक के सौदे मुंबई के रियल एस्टेट बाजार में खरीदारों की अच्छी दिलचस्पी दर्शाता है। नवरात्रि 2026 की शुरुआत से ही धनतेरस और दिवाली तक यह उत्साह और मजबूत हुआ है। खासतौर पर वन और टू बीएचके घरों के लिए एंड-यूजर की मांग अच्छी है। वहीं, प्रीमियम और लग्जरी सेगमेंट में भी निवेशकों तथा घर खरीदारों का भरोसा कायम है। दिवाली के बाद भी मार्केट में अच्छे संकेत मिल रहे हैं।

विक्रोली स्टेशन पर लोकल के

पुलिस थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। यात्री की सूझबूझ से टला हादसा रेलवे स्टेशन जैसे व्यस्त स्थान पर कुछ ही सेकंड की देरी भी बड़े हादसे की वजह बन सकती थी।

सामने से आती लोकल ट्रेन और ट्रैक पर मौजूद युवक के बीच दूरी लगातार कम हो रही थी।

ऐसे में यात्री की तत्परता से युवक की जान बच गई।

घटना का वीडियो सामने आने के बाद स्टेशन पर मौजूद लोगों की भूमिका और समय रहते की गई मदद चर्चा में है।

यह घटना रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सतर्कता और मानसिक तनाव से जूझ रहे लोगों के प्रति संवेदनशीलता की जरूरत को भी सामने लाती है।

मुंबई MMR के रियल्टी मार्केट में दिवाली की रौनक?

अफोर्डेबल हाउसिंग की मांग तेज, फ्लैटों की बिक्री 9% तक बढ़ी

त्योहारी सीजन में मुंबई के रियल एस्टेट बाजार में तेजी दिखी। अक्टूबर में 12,690 प्रॉपर्टी का पंजीकरण हुआ, जबकि 2 BHK और लग्जरी घरों की मांग भी मजबूत रही। अक्टूबर 2026 में मुंबई में 12,690 प्रॉपर्टी का पंजीकरण हुआ। पिछले साल अक्टूबर के मुकाबले रजिस्ट्रेशन में 9% की बढ़ोतरी दर्ज हुई। स्टांप ड्यूटी से सरकारी राजस्व बढ़कर 1,173 करोड़ पहुंचा। इस त्योहारी सीजन में अन्य उपभोक्ता बाजारों की तरह मुंबई महानगर क्षेत्र के रियल एस्टेट बाजार में रौनक दिखाई पड़ रही है। नवरात्रि से लेकर धनतेरस और दिवाली तक घर खरीदने वालों की दिलचस्पी देखने को मिली है। महाराष्ट्र सरकार के पंजीकरण विभाग के आंकड़े तो यही बता रहे हैं। 12,690 प्रॉपर्टी का पंजीकरण अक्टूबर 2026 में मुंबई में 12,690 प्रॉपर्टी का पंजीकरण हुआ, जो पिछले वर्ष के



इसी महीने के 11,649 पंजीकरण के मुकाबले 9 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान स्टांप ड्यूटी से सरकारी राजस्व भी 13 प्रतिशत बढ़कर 1,173 करोड़ रुपये पहुंच गया। अफोर्डेबल के साथ प्रीमियम और लग्जरी हाउसिंग सेगमेंट में मजबूत बिक्री के चलते नवंबर में भी अच्छे आंकड़ों की उम्मीद जताई जा रही है। 2 बीएचके फ्लैट की मांग सबसे अधिक रियल एस्टेट विशेषज्ञों के मुताबिक, इस बार बाजार में एंड-यूजर यानी खुद के इस्तेमाल के लिए घर खरीदने वालों की भागीदारी महत्वपूर्ण रही। मुंबई में 2बीएचके घर सबसे पसंदीदा विकल्प बनकर उभरे हैं। मैजिकब्रिक्स की प्रॉपइंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई-सितंबर 2026 के दौरान कुल आवासीय मांग में 2 बीएचके फ्लैट की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत, 1 बीएचके की 34 प्रतिशत और 3 बीएचके की 18 प्रतिशत रही। खरीदारों के भरोसे का संकेत कोलियर्स के 2026 होमबाइंग सर्वे में भी मिलता है। सर्वे में 54 प्रतिशत संभावित खरीदारों ने माना ...शेष 7 पर

अंधेरी में बड़ा हादसा टला, लोखंडवाला स्थित 27 मंजिला रनवाल टावर की 17वीं मंजिल पर लगी आग, मची अफरा-तफरी



मुंबई के अंधेरी स्थित पॉश रनवाल टावर की 17वीं मंजिल पर शनिवार रात अचानक आग लग गई। अग्निशमन दल की त्वरित कार्रवाई से महज 47 मिनट में आग पर काबू पाया गया।
मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित रनवाल टावर की 17वीं मंजिल पर आग लगी। आग फ्लैट नंबर 1701 में लगी थी। रात 9:50 बजे अग्निशमन दल को सूचना मिली। रात 10:37 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। मुं इमारत की संरचना और राहत की बात रनवाल टावर एक आधुनिक और विशाल बहुमंजिला इमारत है। इस टॉवर की संरचना में बेसमेंट के 4 स्तर, एक ग्राउंड फ्लोर, 5 पोडियम फ्लोर और इसके ऊपर 27 आवासीय मंजिलें शामिल हैं। इतनी बड़ी और ऊंची इमारत होने के बावजूद, सबसे राहत भरी बात यह रही कि अग्निशमन दल और सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति को तुरंत संभाल लिया। इस दुर्घटना में किसी भी प्रकार ...शेष 7 पर

मुंबई लोकल में मारपीट के बाद चलती ट्रेन से गिरा यात्री? वायरल VIDEO की जांच में जुटी GRP की 5 टीमें

मुंबई लोकल में यात्रियों के बीच मारपीट और यात्री के चलती ट्रेन से गिरने का वीडियो वायरल है। चर्चगेट से अंधेरी तक GRP को शिकायत नहीं मिली, पांच टीमें जांच में जुटी हैं। मुंबई लोकल ट्रेन में यात्रियों के बीच मारपीट का वीडियो वायरल हो रहा है। दावे के मुताबिक घटना चर्चगेट से विरार जाने वाली फास्ट लोकल की बताई जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए GRP की टीमें वायरल वीडियो की सच्चाई की जांच कर रही हैं। मुंबई लोकल ट्रेन में यात्रियों के बीच मारपीट और इस दौरान एक यात्री के चलती ट्रेन से नीचे गिरने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कथित तौर पर दरवाजे पर खड़े होने को लेकर यात्रियों के बीच विवाद और हाथापाई होती दिखाई दे रही है। मामले



की गंभीरता को देखते हुए रेलवे पुलिस (GRP) की पांच टीमें इस वायरल वीडियो की सच्चाई का पता लगाने में जुट गई हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, यह घटना चर्चगेट से विरार जाने वाली फास्ट लोकल में ग्रांट रोड और मुंबई सेंट्रल स्टेशन के बीच होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, GRP के पास अब तक इस घटना से संबंधित कोई शिकायत या मामला दर्ज नहीं हुआ है। चर्चगेट से अंधेरी तक GRP थानों में नहीं मिली शिकायत पुलिस के मुताबिक, चर्चगेट, मुंबई सेंट्रल, दादर, बांद्रा और अंधेरी GRP थानों में इस तरह की किसी घटना की रिपोर्टिंग नहीं हुई है। ऐसे में पुलिस की पांच टीमें वायरल वीडियो की जांच कर रही हैं। टीमें वीडियो में दिखाई दे रहे घटनाक्रम, ट्रेन के रूट और संभावित घटनास्थल का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। सेंट्रल लाइन या वेस्टर्न लाइन, कहां का है वीडियो? पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह पता लगाना है कि वीडियो वास्तव में मुंबई लोकल के सेंट्रल लाइन की है या वेस्टर्न लाइन की। जिसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वीडियो कब और किस स्टेशन के बीच बनाया गया था। मुंबई लोकल में रोजाना लाखों यात्री सफर करते हैं। ऐसे में वायरल वीडियो ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल GRP की जांच के बाद ही घटना की वास्तविकता सामने आ सकेगी। यात्रियों की सुरक्षा पर फिर उठे सवाल मुंबई शहर की लोकल ट्रेनें ...शेष 7 पर

विक्रोली स्टेशन पर लोकल के सामने कूदने ही वाला था युवक, यात्री ने ट्रैक पर उतरकर बचाई जान

मुंबई के विक्रोली स्टेशन पर 24 वर्षीय युवक लोकल ट्रेन के सामने पहुंच गया। एक यात्री ने ट्रैक पर उतरकर उसकी जान बचाई। GRP जांच में मानसिक तनाव की बात सामने आई। विक्रोली स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर यह घटना सुबह करीब दस बजे हुई। वायरल वीडियो में युवक दो बार सामने से आती लोकल ट्रेन की ओर बढ़ा। सूझबूझ दिखाते हुए एक सतर्क यात्री ने युवक की जान बचा ली। मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेन में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। विक्रोली रेलवे स्टेशन पर 24 साल का एक युवक रेलवे ट्रैक पर पहुंच



गया। इसी दौरान सामने से लोकल ट्रेन आती दिखाई दी। युवक को ट्रैक पर देखकर वहां मौजूद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, एक यात्री ने अपनी जान की परवाह किए बिना ट्रैक पर उतरकर युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। ट्रैक पर कूदने जा रहा था युवक जानकारी के मुताबिक, यह घटना 6 नवंबर की सुबह करीब 10 बजे विक्रोली स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर मुंबई की ओर जाने वाले हिस्से में हुई। वायरल वीडियो में दिखाई देता है कि युवक दो बार सामने से आती लोकल ट्रेन की दिशा में बढ़ता है। आसपास मौजूद लोग उसे ट्रैक से हटाने की कोशिश करते हैं। इसी दौरान एक यात्री आगे आता है और उसे खींचकर ट्रेन की चपेट में आने से बचा लेता है। मानसिक तनाव में था युवक, GRP की जांच में खुलासा घटना के बाद रेलवे पुलिस (GRP) ने मामले की जांच की। जांच में सामने आया कि 24 वर्षीय युवक उस समय मानसिक तनाव से गुजर रहा था। युवक की जान बचने के बाद वह रेलवे ट्रैक के दूसरी ओर से घटनास्थल से चला गया। इस मामले में किसी भी ...शेष 7 पर

NCP विलय पर पार्थ पवार की शर्तें! शरद पवार से डेढ़ घंटे की मुलाकात के बाद बढ़ी सियासी हलचल



मुंबई में एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय के बीच पार्थ पवार ने शरद पवार से मुलाकात कर कड़ी शर्तें रखी हैं। इससे पार्टी की अंदरूनी राजनीति गर्मा गई है। शरद पवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पार्थ पवार उनसे मिलने सिल्वर ओक पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत हुई। विलय की स्थिति में प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे की भूमिका को लेकर पार्थ की आपत्ति की चर्चा है।

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486